

FORM NO III

फर्द अहकाम

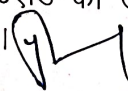
(नियम 20)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी / उपखण्ड मजिस्ट्रेट निवाई टोंक

किस्म मुकदमा : प्रा0पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा

उपखण्ड बंदी बनाम मदन

मुकदमा नम्बर 11 / 2026

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
21.01.2026	<p>मूल वाद के साथ अधिवक्ता श्री बनवारी लाल यादव ने प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा हमारे समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यालय से रिपोर्ट होकर प्राप्त हुआ। अवलोकन किया गया। दर्ज रजिस्टर किया जावे। हमारे द्वारा मजमून प्रार्थना पत्र इसके साथ संलग्न नकलें राजस्व अभिलेख पर गौर किया गया। एवं प्रथम पक्ष की एकतरफा बहस सूनी गई। प्रकरण में अपूर्णिय क्षति की संभावना को देखते हुए प्रकरण में आगामी पेशी तक आराजी ख0नं0 148 रकबा 1.1761 है0 वाके ग्राम भांवती पटवार हल्का चैनपुरा तह0 निवाई में स्थित भूमि पर अप्रार्थीगण किसी प्रकार का रहनदान, बेचान नहीं करे और प्रार्थीगण के कब्जेकाशत में फसल बोने, काटने में अप्रार्थीगण बाधा, मजाहमत रुकावट, अड़चन पैदा नहीं करें, ना ही जबरन काशत करे एवं मौके व राजस्व रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखने हेतु अप्रार्थीगण को पाबंद किया जाता है यदि अप्रार्थीगण को इस आदेश से कोई आपत्ति हो तो हाजिर अदालत होकर पेश करें। तलबी अप्रार्थीगण की जरिए रजि0एडि की जावे। पत्रावली आगामी दिनांक 5/3/26 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">  उपखण्ड अधिकारी निवाई (टोंक) </p> <p>पत्रावली पेश हुई। आज 18 साल्य अन्य राजकार्य में व्यस्त हैं। अतः पत्रावली गतादेशानुसार दिनांक 4/5/26 को पेश हो।</p>	<p style="text-align: center;">जारी 215-217 22/1/26</p> <p style="text-align: right;"> जारी Not present Jel... </p>
53 26	<p>पत्रावली पेश हुई। आज 18 साल्य अन्य राजकार्य में व्यस्त हैं। अतः पत्रावली गतादेशानुसार दिनांक 4/5/26 को पेश हो।</p>	
134 26	<p>डायरी की अन्तरे से डा. प्रजापत, पत्रावली NOTE PRESS करने एवं पत्रावली तलब परमोत्रे जाने बाबर पेश करने पर पत्रावली आज दिनांक 05 तलब की गई।</p>	

अधिवक्ता प्रार्थी ने मुद्रांक पत्र में वर्णित
तथ्यों का प्रमाण करते हुए निवेदन किया। प्रार्थी
वर्ष 1954-55 में आगे की 'राज्य' में
आए है अतः प्रार्थी NOTE PRESS प्रार्थी
किसी भी प्रकार से।

अतः प्रार्थी अधिवक्ता प्रार्थी के अधिन-
पत्र के आधार पर इन बातों पर खारिज की
जाती है प्रार्थी के अंतर्गत नुमांदा होकर नम्बर
के अंतर्गत आकर डाकिल प्रार्थी है।

उपरोक्त अधिकारी
निवाड़ (राज)

प्रार्थी
1954-55
1954-55

delete

अधिवक्ता प्रार्थी ने मुद्रांक पत्र में वर्णित तथ्यों का प्रमाण करते हुए निवेदन किया। प्रार्थी वर्ष 1954-55 में आगे की 'राज्य' में आया है अतः प्रार्थी NOTE PRESS प्रार्थी किसी भी प्रकार से।